डाक पंजीयनक्र. मालवा डिविजन /404/2025-27 RNI MPHIN/2022/86763

संघर्ष से सिद्धि

Sangharshsesiddhi@gmail.com

खबरों के साथ, हर नजरिये की बात

स्व. पूज्य पिता रतनलाल जी माहेश्वरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी(जेल) रानापुर जिला झाबुआ के चरणों में सादर समर्पित

हिन्दी सांध्य दैनिक | उज्जैन, शुक्रवार 30 मई 2025 | वर्ष-03 अंक-294 पृष्ठ-08, मूल्य-3: 00

विकसित कृषि संकल्प अभियान

भारत के कृषि क्षेत्र को और अधिक आधुनिक बनाने पर पीएम मोदी का जोर

संजय जैन (सह-संपादक) गिद्ध दृष्टि

संजय जैन,सह-संपादक। केंद्र की मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इस अभियान के शुभारंभ के मौके पर पीएम मोदी ने भारत के कृषि क्षेत्र को और अधिक आधुनिक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम लैब टू लैंड अभियान को आगे बढ़ा रही है।

क्या बोले पीएम मोदी

विकसित कृषि संकल्प अभियान के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अब बाजार बदल रहे हैं, ऐसे में ग्राहकों की प्राथमिकताएं भी बदल रही हैं। इसलिए हमारा प्रयास है कि किसानों और राय सरकारों के साथ मिलकर कृषि प्रणालियों में बदलाव लाया जाए और किसानों के साथ चर्चा की जाए कि भारत की कृषि और अधिक आधुनिक कैसे बने। इसलिए इस अभियान के तहत हमारे वैज्ञानिकों की टीम लैब टू लैंड अभियान को आगे बढ़ा रही है।

इस मौके पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशकों में हमारे कृषि वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में अछे शोध किए हैं, बेहतर नतीजे दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश के प्रगतिशील किसान भी अपने प्रयोगों से कृषि क्षेत्र में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने उत्पादन को बढ़ाया है और सफल प्रयोग किए हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों के सफल शोध और प्रगतिशील किसानों के सफल प्रयोगों की जानकारी सभी किसानों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इस दिशा में आप सभी शुरू से ही प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब इसे नए जोश के साथ करने की जरूरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान से आपको इसके लिए भरपूर अवसर मिलेंगे।

आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए आज से देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया है। इसके जरिये किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक तरीके से खेती और सतत विकास की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। इससे किसानों को फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अभियान की शुरुआत ओडिशा से की गई।

20 रायों में प्रवास करेंगे कृषि मंत्री

कृषि मंत्री ने इस अभियान की औपचारिक शुरुआत ओडिशा के पुरी से की। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस अभियान के दौरान चौहान 20 रायों में प्रवास करेंगे। केंद्रीय मंत्री अभियान के दौरान 12 जून तक जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए उनसे सीधा संवाद करेंगे।

2170 टीमें देशभर के डेढ़ करोड़ किसानों तक पहुंचेंगी

विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान 2170 टीमें देशभर के 700 से अधिक जिलों, 65 हजार गांवों और करीब डेढ़ करोड़ किसानों तक पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप तथा बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल की जयंती पर किया नमन

उज्जैन, । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप तथा बुंदेलखंड केसरी महान योद्धा महाराजा छत्रसाल की जयंती पर मुख्यमंत्री निवास स्थित सभागार में चित्र पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया। इस अवसर पर सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा साथ थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ भारती के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर महाराणा प्रताप ने देशभक्ति की मिसाल प्रस्तुत की। स्वाधीनता के लिए उनके द्वारा किया गया संघर्ष, मातृभूमि के लिए स्वाभिमान का उत्कृष्ट उदाहरण है। महाराजा छत्रसाल ने बुंदेलखंड में स्वतंत्रता की अलख जगाई और बाजीराव पेशवा को साथ जोड़कर स्वदेशी ताकतों को मजबूत करने का जो कार्य किया वह उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ भारती की रक्षा के लिए समर्पित मेवाड़ की धरती के अमर नायक महाराणा प्रताप एवं बुंदेलखंड के गौरव महाराजा छत्रसाल का जीवन सदैव पीढ़ियों को देशभक्ति, स्वाभिमान, त्याग, पराक्रम और बलिदान की अनुपम प्रेरणा देता रहेगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियानफ्र का द्वय सांसदों ने साबाखेड़ा से किया शुभारंभ

जिले में अभियान 29 मई से 15 जून तक लगातार चलेगा

मंदसौर / विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ मन्दसौर जिले के ग्राम साबाखेड़ा, विकासखण्ड मन्दसौर से लोक सभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने किया। जिले में अभियान 29 मई से 15 जून तक जिले की 135 पंचायतों में किया जायेगा। इस अवसर पर जनपद पंचायत- मन्दसौर अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, जनपद सदस्य श्री बंशीलाल धनगर सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, सरपंच श्री परमानंद धनगर प्रशासनिक अधिकारियों में उप संचालक कृषि श्रीमती अनिता धाकड़, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, किसान मौजूद थे। उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी, फसल बीमा, इफको तथा एफ.पी.ओ. एवं एन.जी.ओ. के प्रतिनिधियों ने सहभागिता दर्ज कर अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। तकनीकी सत्र अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी महाविद्यालय से उपस्थित वैज्ञानिक डॉ. जी.एस. चुण्डावत, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. राजेश आर्वे, डॉ. अनुज बालियान ने खरीफ की मुख्य फसलों, यंत्रीकरण, मिट्टी परीक्षण, कीट व्याधि, ड्रोन, संतुलित उर्वरक, नैनो उर्वरक, नरवाई प्रबंधन, फूलों की खेती आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर कृषकों की समस्याओं का समाधान किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ग्राम संजीत में 1 करोड़ 59 लाख की लागत आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भूमि पूजन किया

मंदसौर / उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने ग्राम संजीत में 1 करोड़ 59 लाख की लागत से निर्मित होने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता, सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी पत्रकार मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री एवं सांसद द्वारा सैनिक का सम्मान किया गया।

भूमि पूजन के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संजीत में बहुत समय से स्वास्थ्य सुविधा के लिए अस्पताल निर्माण की मांग थी। जिसका आज भूमि पूजन किया गया है। डॉ के रहने के लिए आवास, स्वास्थ्य केंद्र के चहुओर बाउंड्री वॉल का निर्माण होगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण से संजीत से लगे हुए जितने भी गांव हैं, उनको बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। एक समय था जब लोगों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने के लिए मल्हारगढ़ या मंदसौर जाना पड़ता था। लेकिन अब उनको संजीत में ही स्वास्थ्य लाभ मिलेगी। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख का गारंटी कार्ड प्रदान किया गया है। सरकार ने इलाज का प्रबंध किया है। अब 70 साल से ऊपर वाले व्यक्तियों को अभी आयुष्मान कार्ड से निशुल्क इलाज होता है । पूरे प्रदेश में विकास की गंगा सरकार ने बहाई है। सड़कों का जाल बिछाया है। सड़क के क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन हुए हैं। शरीर में जैसे नशे चलती है उससे शरीर अच्छा चलता है, वैसे ही सड़कों के जाल से प्रदेश का विकास, विधानसभा क्षेत्र का विकास

चलता है। मध्य प्रदेश के साथ पूरे देश में चहुमुखी विकास हुआ है। कॉलेज और अस्पताल बनाए गए हैं। जिधर देखो उधर सड़के बनाई गई है। सड़कों के क्षेत्र में पूरा कायाकल्प कर दिया गया है। एक समय था जब सड़कों के कारण आने-जाने में बहुत ज्यादा समस्या आती थी। सड़कों के जाल बिछ जाने से अब आवागमन एवं परिवहन बहुत आसान हो गया है। पूरे देश में नदियों को आपस में जोड़ने काम चल रहा है। हिंदुस्तान में कोई व्यक्ति प्यासा नहीं रहेगा। हर घर शुद्ध पानी मिलेगा। चंबल का पानी हर खेत को मिलेगा । पहले दो फसल किसान ले पाते थे, लेकिन अब तीन फसल किसान ले सकेंगे ।

सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि मन में अगर दृढ़ शक्ति हो तो विकास होता है । सीतामऊ में कृषि मेला एवं इन्वेस्टर मीट आयोजित हुआ जहां पर किसानों को कृषि से संबंधित जानकारियां दी गई । खेती करने के नए-नए तरीकों के बारे में बताया गया। बच्चे भी नए रोजगार की तरफ बढ़ रहे हैं । चंबल का पानी अब हर खेत को मिलेगा ।

ठेकेदार की लापरवाही से लाइट के पोल टूटा

शीराज भाई बंगडवाला खरडु बडी- झाबुआ जिले के गांव खरडू बड़ी में विधुत की नई केबलो का काम चल रहा है जो कि ठेके में है ठेकेदार की लापरवाही से जो खरडू बड़ी के उमरिया फाटक पर विधुत पोल से केबल खिंची गई थी वो काफी नीचे लटकती हुई खिंची थी जिसको लेकर लाइन मेन ओर ग्रामीणों ने भी ठेकेदार को अवगत कराया था कि यह जो केबल खिंची गई है वह काफी नीचे है और यह मेन रोड है जहाँ से रात दिन वाहन चलते है कभी भी कोई भारी वाहन आता है तो केबल टूट जाएगी और विधुत पोल टूट जाएंगे । लेकिन ठेकेदार

की लापरवाही से दिनांक 28 मई को रात्रि में दोनों विधुत पोल टूट गए जिससे कि विधुत सप्लाई बंद हो गई ।गरिमत यह रही कि जब ये हादसा हुआ तो कोई व्यक्ति ओर विधुत पोल के पास सेलून वालो को घुमटियो थी उस पर यह पोल नहीं गिरा।

नादु, विनोद, सोनू, राहुल, सुनील आदि ग्रामीणों ने बताया कि यहाँ जो विधुत लाइन की केबल लाइट के एक पोल से दूसरे पोल पर खिंची थी वो काफी नीचे थी जिससे कि 28 मई रात्रि में किसी भारी वाहन से यह केबल खिंचा गई जिससे यह पोल टूट गए और हमारे यहाँ 11 से 12 बजे के बीच मे लाइट बंद हुई और हम यहाँ डीपी पर देखने आए थे जब देखा कि यहाँ के विधुत पोल टूटे पड़े है।

NHAI की लापरवाही किसी की जान न लेले.....

खरगोन जिला कसरावद फटा ऐ बी रोड - नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एक और लापरवाही सामने आई

सोभाग प्रजापति धामनोद- खरगोन जिले के ए बी रोड के कसरावद फाटे पर स्थित सर्विस रोड की नालियों को ढकने के लिए रखी गईं सीमेंट की प्लेटें कई जगह से टूटी हुई हैं, या जगह से हट गई है जिससे राहगीरों को गंभीर खतरा बना हुआ है। हाल ही में मराल उपभोक्ता केंद्र का एक कर्मचारी इस लापरवाही का शिकार हो गया ओर उसको चोट आई है जिसकी तस्वीर हम प्रकाशित कर रहे है।

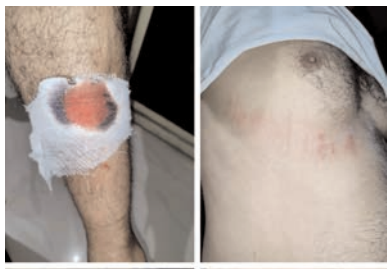

घटना उस वक्त हुई जब कर्मचारी शाम के समय अपने घर लौट रहा था। उन्होंने बताया कि सर्विस रोड पर लगातार वाहन चलते रहते हैं, इसलिए आमजन के लिए यही पैदल चलने का मुख्य मार्ग बन गया है। लेकिन टूटी हे या जगह से हटी हुई प्लेटों के कारण लोगों का इस पर चलना बेहद खतरनाक हो चुका है।

जाहिर हे की यह खरगोन से आने वाले मुम्बई मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों को नेशनल हाईवे से जोड़ने का मुख्य रास्ता यही है

पास ही मराल कंपनी और औद्योगिक क्षेत्र होने से यहाँ से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। कर्मचारी को भी नाली पर रखी टूटी हुई प्लेट पर पैर रखने के कारण गिरना पड़ा, जिससे उन्हें हाथ, पैर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिनकी तस्वीरें सामने आई हैं।

स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने मांग की है कि NHAI इस पर तुरंत संज्ञान ले और इन प्लेटों को जल्द से जल्द मरम्मत करवाए ताकि भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति इसका शिकार न हो।

पेटलावद पुलिस की बड़ी सफलता -अलीराजपुर ओर झाबुआ जिले के आयशर वाहन में अवैध शराब की 180 पेटियो की तस्करी करते दो को गिरफ्तार किया

धर्मेश सोनी पेटलावद - पेटलावद थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देश पर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे एवं एसडीओपी कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में पेटलावद पुलिस ने 29 मई 2025 को एक बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने आयसर वाहन क्रमांक MH03DV3612 में छुपाकर रखी 180 पेटियाँ अवैध शराब ज़ब्त की, जिनकी कुल कीमत 32,75,000/- है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई पुलिस को देर रात एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि बदनावर की ओर से एक आयसर वाहन अवैध शराब लेकर गुजरात की तरफ जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यारना ढाबा के पास बरखेट रोड सारंगी पर वाहनों की चेकिंग शुरू की। इस दौरान वाहन MH03DV3612 को रुकवाया गया और गहन तलाशी ली गई।

बरामद अवैध शराब और गिरफ्तारी

तलाशी के दौरान वाहन में छिपाकर रखी गई 6000 माउण्ट बियर की केन और लंदन प्राईड अंग्रेजी शराब की पेटियाँ बरामद की गईं। कुल मिलाकर 175 पेटी माउण्ट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर की और 5 पेटी लंदन प्राईड अंग्रेजी शराब की पाई गई। कुल शराब 2145 बल्क लीटर थी, जिसकी कीमत ?4,75,000/- थी। इसके साथ ही आयसर वाहन की कीमत ?28,00,000/- भी ज़ब्त की गई। आरोपियों के रूप में वाहन चालक बिजेन्द्र राठौर (उम्र 34 वर्ष, निवासी बोरखड थाना कोतवाली, जिला अलीराजपुर) और क्लीनर मनीष बामनिया (उम्र 20 वर्ष, खयडुबडी, थाना कोतवाली, झाबुआ) को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ थाना पेटलावद पर अपराध क्रमांक 186/2025, धारा 34(2), 36 आबकारी एक्ट और 318(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुलिस टीम का सराहनीय कार्य

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम देने में पेटलावद थाना प्रभारी निर्भयसिंह भूरिया, चौकी प्रभारी सारंगी उप निरीक्षक दीपक देवरे, प्रधान आरक्षक केमता चौहान, आरक्षक पंकजसिंह राजावत, आरक्षक अनिल मुवेल, आरक्षक अजय चौहान, और आरक्षक प्रकाश मण्डलोई का विशेष योगदान रहा। उनकी सतर्कता और परिश्रम ने इस अवैध शराब की तस्करी को नाकाम किया और कानून व्यवस्था को मजबूत किया।

पुलिस अधीक्षक का समर्थन और प्रशंसा

पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने इस सफल कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस टीम को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी है। साथ ही, उन्होंने टीम को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है, जो पुलिस बल की प्रगति और समाज में उनके योगदान को उजागर करता है।

नीमच के सैफी मोहल्ला निवासी बोहरा समाज के 20 वर्षीय मोहम्मद ने उठाया खौफनाक कदम फांसी के फंदे पर झूला

राजू पटेल नीमच- शहर के सैफी मोहल्ला निवासी बोहरा समाज के 20 वर्षीय युवा ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक का नाम मोहम्मद पिता खोजेमा अत्तर वाला है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मद राजी खुशी बीती रात करीब 12 बजे घर लौटा था। इसके बाद वह सोने चला गया। जब सुबह घर वालों ने देखा तो वह छत से फंदा डालकर फांसी पर लटका दिखाई दिया। मोहम्मद को इस हालत में देखकर परिजनों के होश उड़ गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मोहम्मद के शव को जिला अस्पताल लाया गया। यहां सुबह मृतक मोहम्मद के शव का पोस्टमार्टम किया गया। घटना की सूचना मिलते ही बोहरा समाजजन और परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंच गए। मोहम्मद की आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

आपसी विवाद में युवक की हत्या मित्र निवास कालोनी के खाली प्लॉट में मिला शव, पुलिस जुटी जांच में

उपेन्द्र पाटोदिया रतलाम - गुरुवार सुबह मित्र निवास कालोनी में एक युवक के शव को देखकर अफरा तफरी मची बताया जा रहा है कि शहर के दो बत्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक की सुबह खून से लथपथ पड़े शव पड़ा होने की सुचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मेडिकल कॉलेज भिजवाया। पुलिस ने मर्ग क़ायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह पुलिस को मित्र निवास कॉलोनी में किसी युवक के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं स्टेशन रोड थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान अरुण पिता मनोहर असावरा उम्र 22 वर्ष रत्नेश्वर रोड निवासी रतलाम के रूप में हुई है। मृतक से जुड़े लोगों से मिली जानकारी अनुसार मृतक इलेक्ट्रिशियन का काम करता था।

पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान पाये गए है ।संभवत युवक की चाकू से हत्या की गई है। बुधवार देर रात 11:00 बजे अरुण सीसीटीवी कैमरे में जाते हुए दिखाई दे रहा था वही सुबह करीब 7:00 बजे पुलिस को अरुण की लाश खाली प्लॉट पर मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कही मात्र तीतर पर तोप चलाने की कार्यवाही तो नही...?

बैठक में अवैध क्लिनिको के लिए कोई चर्चा तक नहीं की...

प्रशासन को मात्र सिंडिकेट के मुखिया और थोक दवाई व्यापारियों की तरफ अपना रुख करने की है दरकार....

संजय जैन (सह-संपादक)
942510-1357 883910-7012
गिद्ध दृष्टि

झाबुआ ।संजय जैन-सह संपादक। मंगलवार को कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ,जिला शिक्षा ओर अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में एक बैठक ली जिसमे ड्रग्स इंस्पेक्टर को नोटिस दिए जाने का उल्लेख किया। गौरतलब है कि जिले में वैसे तो 374 पंजीकृत केमिस्ट है जिसमे सिर्फ एक को ही औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम के शेड्यूल एक्स (X)के तहत आने वाली दवाओं की बिक्री की अनुमति है।

बैठक में अवैध क्लिनिको के लिए कोई चर्चा तक नहीं की...

जिले में जितने मेडिकल स्टोर है ,उससे कई गुना तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप है जो खुद को डॉक्टर लिखते और बेख़ौफ अवैध दवाखाना भी चला रहे है। इन फर्जी डॉक्टरों के इलाज से न जाने कितने लोगों की जान गई होगी यह बात उजागर शायद इसलिए भी नहीं होती है क्योंकि तोड़ बट्टा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर की उपरोक्त बैठक में झोलाछाप द्वारा चल रहे अवैध क्लिनिको के लिए कोई चर्चा नहीं की गई ।जबकि बीते दिनों दमोह के बाद पास ही के रतलाम जिले में झोलाछाप के इलाज से एक मासूम की मौत हो गयी थी। गौरतलब है कि यह क्षेत्र झाबुआ रतलाम संसदीय में ही आता है जहाँ से पहली बार एक संसदीय क्षेत्र से तीन तीन मंत्री भी है।

किस आधार पर घर/क्लिनिक पर रख पा रहे है दवाई का स्टॉक....?

झोलाछाप के क्लिनिकों साथ ही उनके घरों में दवाईयों का इतना स्टॉक भरा रहता है जितना की एक छोटे मेडिकल स्टोर में नही रहता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तो ठीक लेकिन ब्लॉक मेडिकल अधिकारी ने भी कभी इसकी जांच करने की जेहमत तक नहीं उठाई है न ही कभी ड्रग्स इंस्पेक्टर ने इनके अवैध मेडिकल स्टोर घर पर दवाईयों को चेक किया होगा,ऐसा साफ प्रतीत होता है। बिना मेडिकल लाइसेंस के झोलाछाप इतना दवाई का स्टॉक किस आधार पर घर/क्लिनिक पर रख पा रहे है। सूत्रों की माने तो अधिकतर झोलाछाप एवं मेडिकल स्टोर्स तो गर्भपात करने की दवाईयां तो रखते है बल्कि गर्भपात तक करवा देते है ।जिसके एवज में वे मोटी कमाई करते चले आ रहे है। खैर, यह जांच का विषय है लेकिन आज झाबुआ जिले में हजारों की तादात में फैल चुके अवैध क्लिनिको की जांच कर अवैध क्लिनिक ओर उसके संचालन करने वाले के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की बेहद जरूरत है ।प्रदेश के मुखिया डॉ.मोहन यादव की भी यही मंशा है लेकिन शायद तीन तीन बार उनके द्वारा दिए गए आदेशो का शायद लगता है कि मोटी चमड़ी वालो ने मटिया मेट कर दिया है।

कही मात्र तीतर पर तोप चलाने की कार्यवाही तो नही...?

मजेदार बात तो यह है कि मंगलवार की बैठक में मात्र एक मेडिकल स्टोर की गलती पर,ड्रग्स इंस्पेक्टर को नोटिस दे देना तो तीतर पर तोप दागने जैसा ही प्रतीत हो रहा है। जबकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी नोटिस देना था ऐसा हमारा मानना है। उन्होंने जिले में कितने मेडिकल स्टोर और अवैध क्लिनिकों का निरीक्षण किया है...? कुछ जवाबदारी तो इनकी भी तो है। कुल तीन आदेश झोलाछाप डॉक्टरों के क्लिनिको का निरीक्षण करने हेतु सिविल सर्जन के अलावा जिले के ब्लॉक मेडिकल अधिकारीयो को दिए जिनका कितने ने अब तक पालन किया है...?बैठक में तो इसकी जानकारी भी लेनी चाहिए थी। शायद इन आदेशो का कोई असर हुआ ही नही है। जिम्मेदारो द्वारा मुख्यमंत्री के आदेश और कलेक्टर के निर्देश को कोई तवज्जो नहीं दी गयी,बल्कि गांधी के चमक और मिठाई के स्वाद से वे शायद आंख मूंद कर बैठ गए है। तीतर पर तोप चलाने की बजाय,

इनके खिलाफ कलेक्टर को कार्यवाही करने की बेहद आवश्यकता है,वरना भविष्य में जिले में कोई घटना होगी तब उसका जवाब शायद ही किसी के पास होगा,ऐसा हमारा मानना है।

प्रशासन को मात्र सिंडिकेट के मुखिया और थोक दवाई व्यापारियों की तरफ अपना रुख करने की है दरकार....

गौरतलब है कि हमने हमारी पूर्व की कई खबरो में सतत प्रशासन का ध्यान झोलाछाप के बने सिंडिकेट की ओर हर बार आकर्षित भी किया है। हर क्षेत्र में बने इन सिंडीकेट का एक मुखिया रहता है जो खुद भी एक झोलाछाप ही रहता है। यह मुखिया प्रशासन और झोलाछाप के बीच एक सेतु का कार्य करता है ।यदि प्रशासन दृढ़ निश्चय और ईमानदारी से ऐसे मुखियाओं को दबोच ले तो,सारे अपने आप बड़ी आसानी से गिरफ्त में आ जाएंगे। सबसे पहले प्रशासन को जिले के तमाम थोक दवाई व्यापारियों की जांच करना चाहिए जो इन अवैध क्लीनको को दवाई की भरपूर खेप पहुचाते है। नियमानुसार वे तो सिर्फ पंजीकृत मेडिकल स्टोर को ही दवाई की सप्लाई कर सकते है। सिर्फ इनकी खरीदी और बिक्री के बिलों की जांच ही कर लेवे । मातृ शक्ति कलेक्टर तो सिर्फ उपरोक्त दो बातों की ही गंभीरता से जांच करवा लेंगी तो प्रशासन को बेहद व्यस्त और लंबा रास्ता तय नही करना पड़ेगा, मात्र कुछ दिन में ऐसे सारे अवैध लोग प्रशासन की गिरफ्त में बड़ी आसानी से आ जाएंगे, ऐसा हमारा मानना है।

संपादकीय

भारत की अर्थव्यवस्था की नई उड़ान, लेकिन सवाल अब भी बुनियादी

भारत अब 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है। आजाद भारत ने 'शून्य' से अपना सफर शुरू किया था, क्योंकि हम सुई तक का उत्पादन करने में असमर्थ थे। सात दशकों की 'अजेय' यात्रा के बाद आज भारत हवाई जहाज भी बनाता है और विश्व की चौथी सबसे बड़ी घोषित अर्थव्यवस्था है। नई अर्थव्यवस्था के कुछ पहलू, आयाम और अहम सवाल छूट गए थे, जिनका मूल्यांकन और विश्लेषण आज कर रहे हैं। नीति आयोग के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 60 फीसदी हिस्सेदारी शहरों की है और 40 फीसदी योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का है, लेकिन आज भी देश की 45-46 फीसदी कामकाजी आबादी खेती पर ही निर्भर है। उसकी आय का बुनियादी स्रोत खेती ही है, लेकिन जीडीपी में खेती का योगदान मात्र 16 फीसदी रह गया है, जो कभी 50 फीसदी होता था। देश का औसत किसान गरीब और कर्जदार है, आत्महत्या करने को विवश है। प्रधानमंत्री को किसान सम्मान के तौर पर 6000 रुपए सालाना की खैरात बांटनी पड़ रही है। आजाद देश में न तो किसान की आय बढ़ी है और न ही उसकी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है। लगातार मामला लटकता रहा है। भारत सरकार स्पष्ट क्यों नहीं करती? जीडीपी में सबसे अधिक 53.66 फीसदी योगदान सर्विस सेक्टर का है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान करीब 31 फीसदी है। हालांकि 99 फीसदी से अधिक मोबाइल अब भारत में ही बनते हैं। करीब 300 फैक्टरियां काम कर रही हैं। इस संदर्भ में 'एप्पल' और 'सैमसंग' सरीखी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम उल्लेखनीय हैं, जिनके मोबाइल, आईफोन भारत में ही बन रहे हैं, लेकिन भारत अभी चीन की तरह 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' नहीं बन सका है। दुनिया की सर्वोच पांच अर्थव्यवस्थाओं में भारत में ही श्रम-बल का औसत सबसे कम है। महिला श्रम-बल का औसत 41.7 फीसदी है। दोनों लिंगों का औसत श्रम-बल भी करीब 42 फीसदी है। अर्थात शेष आबादी के पास काम नहीं है या वह बिल्कुल बेरोजगार है। नतीजा यह है कि देश में बेरोजगारी दर 4.9 फीसदी है, जो चीन के बाद (5.1 फीसदी) सर्वाधिक है। भारत में 15-29 वर्ष के आयु-वर्ग को सबसे उर्वर माना जाता है। वह देश की अर्थव्यवस्था का बुनियादी लाभांश है, लेकिन उस आयु-वर्ग में भी बेरोजगारी 16 फीसदी से अधिक है। यह चिंतित और संवेदनशील सवाल है। बेशक भारत आज मिसाइल, हेलीकॉप्टर और रक्षा-उपकरणों का इतना उत्पादन करने लगा है कि 50 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है। यह सूची बढ़ती जा रही है, लिहाजा रक्षा-क्षेत्र से भारत का राजस्व भी बढ़ रहा है। आज देश में करीब 1.5 लाख वर्ग किलोमीटर का मजबूत, आधुनिक बुनियादी ढांचा है, जिसमें निरंतर विस्तार हो रहा है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ कर 159 हो गई है। नए हवाई अड्डे भी निर्माणाधीन और योजनारत हैं। 2025 में देश में मेट्रो रेल नेटवर्क 1011 किलोमीटर का हो गया है। देश में औसत व्यक्ति के पास डिजिटल लॉकर और यूपीआई की सुविधा है। भारत में विदेशी मुद्रा का भंडार करीब 690 अरब डॉलर है और नई अर्थव्यवस्था की घोषणा के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है, लेकिन यह भी अहम सवाल है कि भारतीय अरबपति और उनकी कंपनियां विदेशों में अधिक निवेश क्यों कर रही हैं? बेशक भारत आज 357 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था है, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में आज भी जीडीपी का क्रमशः 3 और 2 फीसदी ही खर्च क्यों किया जा रहा है? यह कमोबेश 5-6 फीसदी तो होना ही चाहिए। आईएमएफ की रपट में कहा गया है कि भारत खपत के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। यही इसकी ताकत है। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग पर आश्रित है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात पर आधारित है। हम एक लोकतांत्रिक देश हैं

बांग्लादेश को भारत का अल्टीमेटमः ऑपरेशन सिंदूर अब दूर नहीं

शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है।

कभी ग्रेटर बंगलादेश का स्वप्न संजोने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता और बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब अपने ही देश में ऐसे घिरे हैं कि जब उन्हें आगे का कोई रास्ता नजर नहीं आया तो फिर अपने जन्मदाता भारत पर ही अनर्गल लांछन लगाने लगे। वह अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की गोद में खेलें, कोई बात नहीं लेकिन भारत और हिंदुओं से खेलेंगे तो अगले ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार रहें। याद रखें, तब कोई बाप बचाने नहीं आएगा। हाल ही का पाकिस्तानी मंजर देख लें, अंजाम समझ लें और हो सके तो भारत के पड़ोस में बचकानी हरकत बंद कर दें।

बता दें कि अपनी पिछली चीन यात्रा के दौरान ही उन्होंने बढ़चढ़ कर भारत के चिकेन नेक पर काबिज होने, पश्चिम बंगाल-उत्तर-पूर्व बिहार और उत्तर-पूर्व के सात बहन रायों को मिलाकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने और नार्थ-ईस्ट रायों को लैंड लॉक्ड बताकर इलाकाई समुद्र का बेताज बादशाह होने का जो दिवास्वप्न उन्होंने देखा है, उसके मुताल्लिक भारत भी उन्हें दिन में ही तारे दिखाने की रणनीति बना चुका है। अब वो आगे बढ़ेंगे तो पीछे से भारत भी एक बार फिर बांग्लादेश का अंग भंग कर देगा! क्योंकि कभी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान का अंग भंग करवाकर भारत ने ही जिस बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, आज वही बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि वहां की शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद महज 6 माह में ही परवर्ती कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश भारत विरोधी चीनी, पाकिस्तानी और अमेरिकी अखाड़े का अड्डा बन चुका है, जो उसके लिए शर्म की बात होनी चाहिए। यही वजह है कि इस विफल सरकार के खिलाफ अब वहां भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में यूनुस ने अपना सारा दोष भारत पर मढ दिया है। हालांकि भारत के पास उन्हें जवाब देने के लिए ऐसे-ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिससे उनके होश उड़ सकते हैं।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है। जबकि उनकी सरकार के खिलाफ जनता द्वारा भी अविलंब चुनाव की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे मुल्क में तनाव का आलम व्याप्त हो चुका है। चूंकि इस विरोध प्रदर्शन में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। इसलिए अपनी उल्टी गिनती शुरू होते देख मोहम्मद यूनुस अपनी नाकामियों को बिना नाम लिए भारत पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वहां उनकी लापरवाही और अदूरदर्शिता से अब जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए विदेशी साजिश को जिम्मेदार बता रहे हैं।

जबकि, हकीकत ये है कि उन्हें सिर्फ चुनाव करवाने तक के लिए सरकार चलाने भर की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन, जानकार बताते हैं कि वह चुनाव छोड़कर बाकी हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। बांग्लादेश की विदेश नीति, उसका संविधान, उसका इतिहास और यहां तक कि उसके जन्म की मूल अवधारणा तक को वो नकारने के लिए आत्मघाती दांव लगा रहे हैं। यही वजह है कि आज बांग्लादेशी फौज भी उनके विरोध में खड़ी हुई है।

ऐसे में यह कहना गलत न होगा कि मोहम्मद यूनुस जब से बांग्लादेश की सत्ता में आए हैं, भारत के चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के साथ झूम-झूम कर नाचने-गाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, उन्हें चीन के दम पर भारत के जिस भारत के चिकन नेक कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) को दबा पाने की गलतफहमी हो गई है, ग्रेटर बांग्लादेश बनवाने में विदेशियों व भारत के मुसलमानों के साथ मिलने का भ्रम हो चुका है, और लैंड लॉक्ड नार्थ ईस्ट के चलते समुद्र का बेताज बादशाह होने के जो सपने उन्होंने चीन को दिखाए हैं, तब उन्हें शायद यह अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि भारत के रणनीतिकार उनके साथ और उनके हमदम चीन-पाकिस्तान-म्यांमार के साथ क्या क्या कर सकता है।

शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है।

मसलन, संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर और पांचजन्य में गत रविवार को छपे उनके एक इंटरव्यू के मुताबिक उन्होंने भारत के पड़ोस में बुराई को खत्म करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल करने की बात कही है, वह अब हमारी विदेश नीति का महत्वपूर्ण ध्येय बनने जा रहा है। उनके अनुसार जिन कुछ देशों में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वहां पर हिंदू समाज की ताकत का इस्तेमाल उनकी रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए संघ के सर संघचालक ने ठीक ही कहा है कि, हमारी ताकत अछे लोगों की रक्षा और बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए होनी चाहिए। जब कोई और चारा नहीं होता, तो बुराई को जबरदस्ती खत्म करना पड़ता है। इसलिए, हमारे पास शक्तिशाली बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर बुरी ताकतों की बुराई देख रहे हैं।

हमारा तात्पर्य यह है कि शायद जो बात मोहन भागवत ने खुलकर नहीं कहा, उसे असम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर के दिग्गज बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने अधिक विस्तार से बताने की कोशिश की है, जो सराहनीय है। कुछ दिन पहले भी उन्होंने मोहम्मद यूनुस के भारत के चिकन नेक कॉरिडोर पर उनकी गलत नजर पर पलटवार करते हुए बांग्लादेश के पास भी दो चिकन नेक होने की जो बात कही थी, उससे बंगलादेश व उसके हमदमों का तिलमिलाना स्वाभाविक है।

गौरतलब है कि उन्होंने गत 25 मई रविवार को एक एक्स (ङ्क) पोस्ट डाला है, जिसमें उन्होंने दो टूक लिखा है कि जिन्हें भारत को चिकन नेक कॉरिडोर पर धमकाने की आदत पड़ चुकी है, उन्हें तीन तथ्यों को ध्यान से नोट कर लेना चाहिए। पहला, बांग्लादेश के पास अपने दो चिकन नेक हैं और दोनों भारत से कहीं यादा असुरक्षित हैं। दूसरा, पहला है 80 किमी लंबा उत्तर बांग्लादेश कॉरिडोर, जो दक्षिण दिनाजपुर से दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स (मेघालय) तक जाता है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तो पूरा रंगपुर डिवीजन बांग्लादेश से कट सकता है। मतलब, रंगपुर का बाकी बांग्लादेश से संपर्क टूट जाएगा।

तीसरा,यह है 28 किमी का चटगांव कॉरिडोर, जो साउथ त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक से भी छोटा है। पर यह बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है।

इससे साफ है कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात, मोहम्मद यूनुस की ओर से सत्ता में बने रहने के लिए चलाए जा रहे खौफनाक एजेंडा की गवाही दे रहे हैं और भारत में अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जो तल्ख विचार सामने आ रहे हैं, उससे भारतीयों को यह आस्वस्ति मिल रही है कि हमारा जवाब बहुत करारा होगा। क्योंकि रंगपुर में चिकन नेक कॉरिडोर काटने का मतलब है कि भारत का सिलीगुड़ी कॉरिडोर बहुत ही विशाल हो जाएगा। कहने का तातपर्य यह कि अभी जो लगभग 22 किलोमीटर की चौड़ी पट्टी है और जिसपर यूनुस और भारत के दुश्मनों की नजर लगी हुई है, वह अप्रत्याशित रूप से इतनी चौड़ी हो सकती है कि मतलब, पूर्वोत्तर की बहुत बड़ी समस्या एक ही झटके में खत्म हो सकती है।

वहीं, अगर हम त्रिपुरा के कुछ किलोमीटर तक नीच चले जाएं यानी चटगांव कॉरिडोर को भारत में मिला लें तो पूरे पूर्वोत्तर को जोड़ने वाला भारत का अपना समुद्र यहां भी हो जाएगा। देखा जाए तो यह सामरिक और आर्थिक रूप से बहुत ही फायदे का सौदा साबित होगा। क्योंकि भविष्य में मोहम्मद यूनुस की तरह के विचार वाले बांग्लादेश के किसी अन्य शासक की भी आए तो आए दिन की होने वाली नौटंकी भी हमेशा के लिए खत्म की जा सकती है।

इसके अलावा, हमें यह भी पता होना चाहिए कि बांग्लादेश के चटगांव से नीचे ही म्यांमार का रखाइन इलाका है, जहां पर रोहिंग्या मुसलमानों की गम्भीर समस्या है। इसका मतलब यह हुआ कि बांग्लादेश से चटगांव के कटते ही रोहिंग्या मुस्लिम समस्या खत्म हो सकती है। क्योंकि तब भारत इस इलाके को रोहिंग्या मुसलमानों को सौंप सकता है और भारत में जो रोहिंग्या घुसपैठिए आ गए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, उन्हें यहां पर स्थायी रूप से भेजा जा सकता है। क्योंकि यह उनका मूल इलाका है, जहां जाकर बसना उनके लिए भी आसान हो सकता है। इसके अलावा, म्यांमार के रखाइन से ही थोड़ा उत्तर-पूर्व में उसका चिन इलाका है, जो पहाड़ी क्षेत्र है और ईसाई (क्रिश्चियन) बहुल इलाका है

ट्रक की टक्कर से जैन संत का हुआ कालधर्म, सिर में चोट लगने से गई जान, जैन समाज ने जताया गहरा दुख शोक की लहर

अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भावभरा निवेदन करता है कि आप इस ओर ध्यान केंद्रित कर संतों को विशेष सुरक्षा व्यवस्थाएं दिलवाए

संजय जैन स्टेट हेड झाबुआ- जैन संत आचार्य पुंडरिक रत्न सुरीश्वर (70 वर्ष) MITS कॉलेज से विहार की ओर गुजर रहे थे और उन्हें विराट धाम जाना था। रास्ते में जाडन टोल नाके के पास यह हादसा हुआ।

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। यह दुखद घटना है। पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जाडन गांव में बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे एक सड़क दुर्घटना में जैन संत आचार्य पुंडरिक रत्न सुरीश्वर महाराज का कालधर्म हो गई। वे विहार करते हुए अन्य संतों और अनुयायियों के साथ विराट धाम की ओर जा रहे थे, तभी एक तेज गति मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में संत को सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें तुरंत पाली के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया।

हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जाडन चौकी प्रभारी रामनिवास के अनुसार, संत आचार्य पुंडरिक रत्न सुरीश्वर MITS कॉलेज से विहार करते हुए निकले थे और उन्हें विराट धाम जाना था। रास्ते में जाडन टोल नाके के पास यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही संत के अनुयायियों और अन्य संतों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी व वहीं संत ने अंतिम सांस ली। दुर्घटना की सूचना मिलते ही

पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग बांगड़ अस्पताल पहुंचे।

बाद में संत की पार्थिव देह को समुंद्र विहार ले जाया गया।

जैन संत के देवलोक गमन की सूचना मिलने पर संपूर्ण जैन समाज ने गहरा दुख व्यक्त किया जैन धर्म की अमूल्य धरोहर को मिले सरकार से विशेष सुरक्षा। श्री अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद ने दिल्ली केंद्र सरकार से मांग की है कि देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक और धर्म के हर क्षेत्र में आगे आकर बढ़ चढ कर हिस्सा ले रही है। संत जैन समाज की अमूल्य धरोहर है। और उन्हें देश भर में कई राज्यों में अप्रिय घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है कही उनके साथ मारपीट की घटना तो कही उनके साथ दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इस हेतु समाज द्वारा विहार ग्रुप बनाकर साधु संतों को सुनिश्चित स्थान तक विहार व्यावच्च व्यवस्था तो देख रहे है लेकिन सरकार को भी इस ओर हजारों लाखों किलोमीटर का पैदल विहार करने वाले संतों के लिए सड़क पर होने वाली अप्रिय घटनाओं एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई विशेष सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए जिससे संत समाज सुरक्षित हो सके। 8 लेन, 6 लेन, 4 लेन पर संतों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य है। इस हेतु केंद्र सरकार से अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद भावभरा निवेदन करता है कि आप इस ओर ध्यान केंद्रित कर संतों को विशेष सुरक्षा व्यवस्थाएं दिलवाने की कृपा करें।

सांसद बोले -तबाह फसल का मुआवजा देगी सरकार : बुरहानपुर में आंधी से सात गांवो की केला फसल खराब, पाटिल ने कांग्रेस पर साधा निशाना

ब्यूरो सतीश वाघ बुरहानपुर - जिले में मंगलवार शाम आई आंधी और बारिश ने किसानों की केला फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। रायगांव, नीमगांव, खामनी, सुखपुरी, शाहपुर, फोपनार गांवो में करोड़ों रुपए की केला फसल बर्बाद हुई है। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने गुरुवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। किसानों से बात कर उन्हें हुए नुकसान के बारे में जाना। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा की है। सभी किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। सांसद ने सरकार से खुद की बीमा कंपनी बनाने की बात भी कही है। किसानों को हुए नुकसान पर कहां प्रशासन हर किसान के नुकसान का आकलन कर रहा है। फसल बीमा को लेकर भी चिंताजनक स्थिति है बार-बार टेंडर जारी होने

के बाद भी कोई बीमा कंपनी आगे नहीं आ रही है। सांसद ने इस मुद्दे को दो बार संसद में उठाया कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मौसम आधारित बीमा जल्द लागू करने का आश्वासन दिया है

सरकार खुद बीमा कंपनी बनाए सांसद ने कहा कि यदि कोई बीमा कंपनी आगे नहीं आती है तो। सरकार को खुद बीमा कंपनी बनानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार किसानों को दो लाख रुपए प्रति हेक्टेयर मुआवजा देती है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में किसानों को मात्र 150 - 200 रुपए का मुआवजा मिलता था। सांसद के साथ एसडीएम पल्लवी पुरानीक, तहसीलदार नितिन चौहान और जनप्रतिनिधि मौजूद थे सांसद ने किसानों को भरोसा दिया कि सरकार उनके साथ है प्रभावित क्षेत्रों में कुछ जगह फसल कटनी शुरू हो चुकी थी कुछ फसले एक महीने में कटने वाली थी

खाद्य अधिकारियों ने किया निरीक्षण,,स्वच्छता रखने एवं दूषित खाद्य सामग्री ना विक्रय करने के दिये निर्देश

राजेश नाहर 9479973888 खेतिया,,, मौसम में आ रहे हैं बदलाव के साथ अब हल्की बारिश होने लगी है जिसके चलते बड़वानी जिला कलेक्टर सुश्री गूंजा सनोबर के निर्देश पर जिले के खाद्य अधिकारियों ने खेतिया शहर में विभिन्न खाद्य सामग्री विक्रय प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर खाद्य सामग्रियों के रखरखाव, स्वच्छता , निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद विक्रय न करने के साथ-साथ खाद्य सामग्री के सुरक्षित रखने व भंडारण संबंधी निर्देश दिए।

गर्मी व वर्षा काल के संयुक्त समय में अनेक बीमारियां फैलती है जिसमे एक कारण दूषित खाद्य सामग्री भी हो सकती। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने विक्रेताओं को दूषित सामग्री विक्रय नहीं करने के निर्देश दिए

साथ ही अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने विक्रय स्थलों की स्वच्छता को लेकर आवश्यक निर्देश देते हुए शासन की अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के निर्देश भी दिए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री कीर्ति रावत एवं वीएस मोरी ने बताया कि आज खेतिया शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर जांच करते हुए आवश्यक निर्देश दिए जहां जैन प्रोविजन से मैदा,चाय,चावल व चना दाल के एवं बालाजी किराना से तेल,लाल मिर्च पाउडर, बटला, मेथीदाना के सैंपल लिए जिन्हें भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा जहां से रिपोर्ट आने पर ही वैधानिक कार्रवाई की जाएगी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को निर्देशित किया है कि किसी भी परिस्थिति में दूषित सामग्री का विक्रय ना करें दूषित खाद्य सामग्रीविक्रय करते पाए जाने पर आपके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी

अघोषित बिजली कटौति से आमजन त्रस्त

निजी से लेकर सरकारी तक सारे काम हो रहे प्रभावित

बिजली कंपनी का प्रशासन जानबूझकर दे रहा बड़े आंदोलन को दावत

संघर्ष से सिद्धि -संदीप राठौड़

डही नगर व आसपास के एरिये में इन दिनों हो रही 8-10 घंटे की अघोषित विद्युत कटौति से जनता त्रस्त है। वहीं इससे लोगों के निजी काम तो प्रभावित हो ही रहे है, सरकारी काम भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहे है। बिजली गुल हो जाने से सरकारी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा रहता है। वही बिजली कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी किसी तरह का समाधानकारक उत्तर देना तो दूर स्थानीय जनप्रतिनिधियों का फोन उठाना तक उचित नही समझ रहे है। इससे भी बढ़कर जुल्म तो तब हो जाता है जब लाईट के गुल होते ही बिजली कम्पनी के जिम्मेदार अधिकारियों का मोबाईल भी गुल यानी बन्द हो जाता है।नगरवासियो का कहना है कि बिजली कटौति की ऐसी दुर्दषा तो 15-20 साल पहले भी नही थी, क्योंकि उस समय बिजली कटोति की जरूर जाती थी, मगर उसकी विधिवत् घोषणा होती थी कि दिन में इतने समय बिजली बन्द रहेगी, मगर अभी जो कटौति हो रही है, उसने तो सारे रेकार्ड तोड़ दिये है। दूसरी तरफ पिछले 7-8 सालों से बिजली प्रदाय की व्यवस्था में हुए सुधार के कारण लोगों ने अपने घरों में बिजली के वैकल्पिक उपकरण जैसे इन्वर्टर, इमरजेंसी लाईट आदि को चालू हालत में रखना छोड़ दिया था। मगर जैसी बिजली कटौति अभी चल रही है, उससे इन सब चीजों की जरूरत वापस पड़ने लगी है। बात की जाए कुछ समय पहले की ही तो जब बिजली कंपनी के सुसारी वितरण केन्द्र पर कनिष्ट यंत्री सुभाष कुशवाह पदस्थ थे, उस समय जब भी लाईट बन्द की जाती थी या बन्द होती थी, चाहे थोड़े समय के लिए हो ज्यादा के लिए, उसका कारण और वापस बिजली चालू होने का अनुमानित समय एक व्हाट्सएप्प ग्रुप पर भेजा जाता था, जिससे लोग बेफिक्र हो जाते थे कि अब इतने समय के लिए लाईट नही रहेगी, मगर अब ये प्रथा जैसे मानो पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, जिससे नागरिकों को असुविधा अधिक हो रही है। अब तो 7-7, 8-8 घंटे बिजली बन्द रखे जाने पर भी कोई मैसेज किसी व्हाट्सएप्प ग्रुप में या अन्य माध्यम से जनता तक नही पहूंचाया जाता है, जिससे इन दिनों बिजली कंपनी को लेकर आम जनों में आक्रोष व्याप्त है। वहीं नगर संघर्ष समिति के सुत्रों की माने तो यदि जल्द ही इस लचर व्यवस्था में सुधार नही आता है तो शीघ्र ही नगरवासियों के द्वारा इस व्यवस्था के खिलाफ चरणबद्ध आन्दोलन किया जा सकता है।

नगर परिषद अध्यक्ष ने नालों का किया दौरा

मानसून सीजन के पहले साफ सफाई और गहरीकरण करने के दिए निर्देश

रहवासियों को थमाए नोटिस, सड़कों एवं नालियों पर किए गए अतिक्रमण को तीन दिन के भीतर हटाए

शाहरुख मंसुरी मुंदी नगर परिषद अध्यक्ष ज्योतिबाला राठौर एवं सांसद प्रतिनिधि चन्द्रमोहन राठौर ने सीएमओं के साथ मिलकर के बुधवार को वल्लभनगर मूंदी का दौरा किया । जिसमें बहने वाले नाले की मानसून सीजन के पहले साफ सफाई और गहरीकरण करने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय जैन को दिये इसके अलावा वल्लभनगर मे आवासीय पट्टे की भूमि पर व्यवसायिक दुकाने संचालित होने के मामले मे दस्तावेजो की जांच करने के निर्देश अध्यक्ष द्वारा सीएमओ संजय जैन को दिए गए। वर्षा काल मे जलभराव की स्थिति नहीं बने इसके लिए लोगों द्वारा नाली नालों पर किया गया अतिक्रमण हटाने का मन नगर परिषद ने बना लिया है। ताकि जलभराव की स्थिति नहीं बने। नगर परिषद ने इसके लिए रहवासियों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस थमा दिए है। जिसमें नगर के केनूद चौराहे से बालाजी हिल्स कॉलोनी गंगा माता तक एवं पुनासा खंडवा रोड़ पर गावल कुँए से नए थाने तक का अतिक्रमण हटाने की तीन दिनों की मोहलत नगर परिषद द्वारा रहवासियों को दी गई है। नगर परिषद सीएमओं संजय जैन ने बताया कि लोगो ने सड़कों एवं नालियों तक टिनसेट एवं पक्के निर्माण कार्य कर अतिक्रमण कर रखा है। जिससे यातायात अवरुद्ध होता है। तीन दिवस के अंदर घर एवं दुकानों के सामने किया पक्का निर्माण सहित ओटले टिनसेट हटाने के नोटिस दिए गए हैं। सड़कों एवं नालियों पर किया गया अतिक्रमण हटने से यातायात में बाधा उत्पन्न नहीं होगी। मानसून में समय समय पर नालियों को साफ करना जरूरी है। नहीं तो जलभराव की स्थिति निर्मित होगी। और घरों में पानी भराने का भय बना रहेगा।

खरगोन पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त कर गुंडे बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध की प्रभावी कार्यवाही

कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले मे 24 स्थायी वारंटी एवं 91 गिरफ्तार वारंटीयो की पुलिस ने की धरपकड़

राजू सोनी -9977226352

खरगोन- पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार समस्त जिला बल को रात्री गस्त को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने व फरार-स्थाई वारंटियों की गिरफ़्तारी हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) भापुसे नरेंद्र रावत, अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन मे लगातार पुरे पुलिस दलबल के साथ प्रभारी पैदल गश्त की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 27.05.25 एवं 28.005.25 को खरगोन पुलिस द्वारा जिला स्तर पर कॉम्बिंग गश्त की गई, जिसमे पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना के द्वारा कॉम्बिंग गश्त के फोर्स को ब्रीफ़ किया गया, जिसमे प्राप्त निर्देशानुसार थाना प्रभारियों के द्वारा भी रात्री गश्त के बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाकर गश्त हेतु रवाना किया गया ।

इस कॉम्बिंग गश्त का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु से फरार चल रहे वारंट शुदा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी, लिस्टेड गुंडों बदमाशों का औचक चेकिंग रात्रि में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के अनेक सकारात्मक परिणाम हुए इसमें पुलिस टीम के द्वारा 224 स्थायी एवं 91 गिरफ्तार वारंटीयो को गिरफ्तार किया गया है, इसके साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र मे मौजूद 97 लिस्टेड गुंडे व 47 निगरानी बदमाशों को भी चेक किया है ।

जमीनी विवाद को लेकर मारपीट करने वाले पांच आरोपियों को हुई पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ- दिनांक 11.07.2021 को जमीन संबंधी विवाद को लेकर आरोपीगण व्दारा फरियादी जोगु पिता पार सिंह मेडा के पुत्र व उसके पिताजी के साथ मारपीट कर सिर में गंभीर चोट पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी जिसकी शिकायत फरियादी ने थाना झाबुआ पर दर्ज कराई, जिस पर थाना झाबुआ पर अपराध क्रमांक 687/2021 दर्ज कर विवेचना मे लिया गया। उक्त प्रकरण की विवेचना प्रधान आरक्षक जगदीश नायक व्दारा की गई। उक्त प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश झाबुआ, जिला झाबुआ आर. के. शर्मा व्दारा आरोपीगण पेमा पिता सलिया मेडा, राकेश पिता पेमा मेडा, तार सिंह पिता पेमा मेडा, अमना पिता कल्लू एवं धन्ना पिता सलिया निवासीगण उमरिया वेजत्री, झाबुआ को दोष सिद्ध पाते हुए प्रत्येक आरोपियों को धारा 307 IPC के तहत पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास व 2000-2000 हजार रुपए के अर्थदण्ड से व धारा 326 IPC के तहत पांच-पांच वर्ष के सश्रम कारावास व 2000-2000 रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया। उक्त प्रकरण का प्रतिनिधित्व अपर लोक अभियोजक राकेश जोशी व्दारा किया गया।

उदयगढ पुलिस ने अवैध शराब परिवहन करते 490 पेटी शराब कीमती 45 लाख 94 हजार रूपये की जप्त की

01 आरोपी गिरफ्तार एवं 10 लाख रूपये कीमती वाहन जप्त

संजय राठौड़ जिला ब्यूरो अलीराजपुर - पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि थाना उदयगढ क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 29.05.2025 को थाना प्रभारी उदयगढ निरीक्षक ब्रजभूषण हीरवे को ग्राम बावडी फाटा पर प्रभात रोड गश्त के समय वाहन चैकिंग के दौरान मुखबीर द्वारा अवैध शराब परिवहन की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर थाना प्रभारी उदयगढ एवं अधीनस्थ टीम के द्वारा वाहन की घेराबंदी हेतु बावडी फाटा पर नाकेबंदी की कार्यवाही की गई । तभी पुलिस टीम को कुछ देर बाद बोरी तरफ से एक आयसर वाहन लाल रंग का आते हुये दिखाई दिया, जिसे उदयगढ पुलिस टीम के द्वारा रोका गया आयसर वाहन का क्रमांक MP4-69-B-0529 था, जो कि तीरपाल से ढका हुआ था। आयसर वाहन चालक से नाम/पता पूछते वाहन चालक ने अपना नाम शिवनारायण पिता कमल बलाई सितपरिया उम्र

25 वर्ष, निवासी दंगवाडा तहसील बडनगर, जिला उज्जैन का होना बताया। वाहन चालक के साथ आयसर वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में बडी मात्रा में अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी हुई थी। वाहन चालक से शराब के वैध परमीट के संबंध मे पूछनें पर नहीं होना बताया, जिस पर वाहन चालक व वाहन को थानें पर लाया गया तथा वाहन में रखी शराब की गिनती की गई, जिसमें अंग्रेजी शराब की निम्नलिखित ब्रांड की शराब की पेटियां भरी थी 1.ग्रीन पार्क-219पेटी, 2.रिड्स- 68 पेटियां, 3.रीगल टैलेंड 20 पेटियां, 4.स्टीयरिंग रिजर्व 10 पेटियां, 5.DSP ब्लैक 30 पेटियां, 6.जेम्स एमसी गिल 114 पेटियां, 7.सुपर ड्राइजीन 29 पेटियां भरी पाई गई है। इस प्रकार आयसर वाहन में कुल 490 पेटियों में 4388.76 बल्क लीटर शराब, जिसकी कीमत करीबन 45 लाख 94 हजार रुपए है तथा वाहन की कीमत 10 लाख रूपये है। उदयगढ पुलिस द्वारा धारा 34(2), 36, 46 आबकारी एक्ट का आरोपी शिवनारायण पिता कमल बलाई सितपरिया उम्र 25 वर्ष, निवासी दंगवाडा तहसील बडनगर, जिला उज्जैन के विरूद्ध पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बताया कि अलीराजपुर पुलिस की अवैध शराब के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। जिले मे अबतक कुल 562 प्रकरणों में 56435 लीटर अवैध शराब कीमती करीबन 2 करोड 30 लाख रूपये की जप्त की जा चुकी है तथा अवैध शराब परिवहन में करीबन 1 करोड 45 लाख रूपये के वाहन भी जप्त किये गये हैं।

शिक्षक कांग्रेस ने शिवना शुद्धिकरण अभियान में लिया भाग

कमल राठौर भानपुरा/मंदसौर-मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष एवं प्रवक्ता हरीश नामदेव ने बताया कि विधानसभा मंदसौर के युवा विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में मंदसौर की जीवनदायनी अधिष्ठात्री देवी मां शिवना शुद्धिकरण का जो पावन पवित्र बीड़ा उठाया और शिवना शुद्धिकरण का जो संकल्प लिया उसे पूरा करने के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भी श्रमदान कर इस पावन पवित्र यज्ञ में आहुति दी।

विधानसभा निर्वाचन के समय विधायक विपिन जैन क्षेत्र के मतदाताओं से आवाहन किया था कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो मां शिवना के शुद्धिकरण का अभियान चलाएंगे ।

विपिन जैन को मां शिवना के आशीर्वाद से विजय प्राप्त हुई और उन्होंने मां सेवा के शुद्धिकरण को लेकर भागीरथी प्रयास किया जो अनवरत जारी है।

लगभग एक माह में 80त्न शिवना का शुद्धिकरण किया जा चुका है ,कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ही विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, कर्मचारी संगठनों ने भी इसमें भाग लिया।

मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के पदाधिकारी की समय-समय पर इस सेतुबंध रामेश्वर जैसे पवित्र यज्ञ में तिनके का श्रमदान कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री ओर सांसद दिग्विजय सिंह एवं विधायक जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन के नेतृत्व में शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी कांग्रेस महंत एनडी वैष्णव प्रधान संपादक भोपाल, पंडित सुरेश शर्मा जिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी महामंत्री एवं शिक्षक कांग्रेस के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस उपाध्यक के साथ अन्य पदाधिकारी की समय-समय पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

भागवत प्रवक्ता जयमाला विष्णव ने कहा प्रगति की दौड़ में खोता मानवता का संतुलन

राजू पटेल कुकड़ेश्वर- शहर के नजदीक 7 किलोमीटर दूर अरावली पर्वत पर श्रीमद् भागवत कथा में कथा का रसपान ग्रहण करा रही दीदी जयमाला वैष्णव भागवत प्रवक्ता ने पत्रकार राजू पटेल को बताया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का महत्व ओर कहा कि जब धर्म की हानि होती है अत्याचार बढता है तब भगवान अवतार लेकर आते है। धर्म की रक्षा करते गोमाता की साधु संतो की सहायता करते एवं पृथ्वी मां को सांत्वना देते है भुमी का भार कम करते है। परमात्मा कलियुगी जीवो के लिए आऐ है पर ईसानो ने अपनी मानवता ही खो दि है । आज के युग मे इंसान चाँद पर तो पहुँच गया पर भाई के घर तक नहीं पहुँच

सका। हम अन्तरिक्ष में उड़ना सीख गए, समुद्र में तैरना सीख गए मगर जमीन पर रहना भूल गए। हमने इमारतें बड़ी बना लीं पर दिल छोटा कर लिया। हमने रास्ते चौड़े कर लिए पर देखने का नजरिया छोटा कर लिया। हमने साधन कई गुना बढ़ा लिए पर अपना मुल्य कम कर लिया। हमने ज्यादा बोलना सीख लिया पर प्रिय बोलना छोड़ दिया। हमारे पास विचार तो बहुत आ गए पर आचार (आचरण) चला गया। 21वीं सदी में प्रगति के साथ हमारी दुर्गति भी हुई है। हम धरती के लोग हैं, हमारा स्वर्ग यहीं है ओर जीते जी है। नित्य भगवद चिंतन और भगवदाश्रय करके इसे आनंदमय बनायें। आसपास से अनेक श्रध्दालु कथा का आनंद ले रहै।

मुल्लांपुर में प्लेऑफ मैच से पहले सुरक्षा चाक-चौबंद, पंजाब पुलिस को हाई अलर्ट पर

आईपीएल 2025 का मौजूदा सत्र रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। लीग चरण खत्म हो चुका है और गुरुवार यानी कल से प्लेऑफ की शुरुआत होगी। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शीर्ष-दो पर रहकर क्वालिफायर-1 में प्रवेश किया है जबकि गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस अंक तालिका में क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। अब दोनों के बीच 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर मैच मुल्लांपुर में खेले जाएंगे। इन मैचों के लिए पंजाब पुलिस ने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए हैं।

सुरक्षा को लेकर पंजाब पुलिस सतर्क पंजाब पुलिस ने बुधवार को कहा कि पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद सुरक्षा कारणों से आईपीएल के क्वालिफायर एक और एलिमिनेटर पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मुल्लांपुर में गुरुवार को क्वालिफायर-1 और शुक्रवार को एलिमिनेटर का आयोजन होगा जबकि क्वालिफायर-2 और फाइनल क्रमश: एक और तीन जून को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

65 पुलिस अधिकारी और 2500 से अधिक जवान होंगे तैनात पंजाब के

विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने कहा, मुल्लांपुर स्टेडियम में कल और परसों दो बहुत महत्वपूर्ण मैच हैं। एक क्वालिफायर और एक एलिमिनेटर है। भारत के कोने-कोने से लोग आ रहे हैं। लोगों में काफी उत्साह है। हमने स्टेडियम और उसके आसपास सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। आज इसकी समीक्षा की जा रही है। हमारे पुलिस बल में करीब 65 अधिकारी और 2500 से अधिक जवान तैनात हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां आने वालों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। वहीं सुरक्षा के उपाय भी बहुत सख्त होंगे। कल हमने मॉकड्रिल की रिहर्सल की थी। आज भी पुलिस बल मॉकड्रिल की रिहर्सल कर रही है।

आईपीएल के कार्यक्रम में हुआ था फेरबदल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था जिसमें 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसका जवाब देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की थी और उनके नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था जिसके बाद आईपीएल के कार्यक्रम में फेरबदल करना पड़ा था।

कोहली ने डब्ल्यूबीएल में निवेश किया

कहा- मैंने 11 साल की उम्र में बॉलिंग खेलना शुरू किया

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को बुधवार को विश्व बॉलिंग लीग (डब्ल्यूबीएल) में रणनीतिक निवेशक घोषित किया गया। विश्व बॉलिंग लीग ने हाल ही में एमएलबी सुपरस्टार और तीन बार की विश्व सीरीज चैंपियन मूकी बेट्स की टीम ओएमजी को लीग में पहली फ्रेंचाइजी के रूप में पेश किया।

कोहली ने एक विज्ञप्ति में कहा, मैंने 11 साल की उम्र में बॉलिंग खेलना शुरू किया और 12 साल की उम्र तक गेंद को स्पिन करना सीख गया था। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि यह खेल कितना लोकप्रिय है जबकि इसे व्यावसायिक रूप में कम सराहा जाता है। बॉलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए आदि के मिश्रा का दृष्टिकोण अद्वितीय है और ई1 सीरीज में टीम ब्लू राइजिंग के साथ हमारी सफलता के बाद मैं एक निवेशक और भागीदार के रूप में डब्ल्यूबीएल से जुड़कर रोमांचित हूं।

चैंपियनशिप में भारत का जलवा बरकरार, तेजस्विन को नहीं है स्वर्ण चूकने का अफसोस

तेजस्विन शंकर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेकाथेलॉन में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। डेकाथेलॉन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के गुमी में 7618 अंकों के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने 2023 सत्र में कांस्य पदक जीता था।हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक से चूकने का कोई अफसोस नहीं है क्योंकि वह देश के लिए पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहे।

तेजस्विन ने कहा, स्वर्ण और रजत के बीच का अंतर 16.3 सेकेंड है और यह रजत तथा कांस्य के बीच का अंतर भी है। मुझे लगता है कि यह पदक जीतने की कोशिश करने के बारे में अधिक है। यह निश्चित रूप से इस बारे में कम है कि क्या किया जा सकता था, क्या किया जाना चाहिए था। अब तक इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में तीन भारतीयों- विजय सिंह चौहान (1973), सुरेश बाबू (1975) और सबील अली (1981) ने डेकाथेलॉन में स्वर्ण पदक जीते हैं।

अधिकांश समय अमेरिका में रहने वाले तेजस्विन ने 10 स्पर्धा की प्रतियोगिता में दो व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए। उन्होंने गोला फेंक में 13.79 मीटर और 110 मीटर बाधा दौड़ में 14.58 सेकेंड के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। तेजस्विन ने कहा, पहले दिन शुरुआती दो स्पर्धाओं में मैं मुश्किल में था। मैं संघर्ष कर रहा था और फिर गोला फेंक में मेरे पहले दो थ्रो भी खराब थे लेकिन फिर किसी तरह मैं तीसरे थ्रो में अपनी सारी हिम्मत जुटा पाया।

उन्होंने कहा, मैंने बस कोशिश की और सौभाग्य से, आप जानते हैं कि मैं आगे निकल गया और मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी और फिर चीजें बदल गईं। चीजों का बदलने वाला यह पल सिर्फ अछे थ्रो से ही नहीं बल्कि वार्म-अप के दौरान खेल भावना और धैर्य के एक पल से

आया।

रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने तीन मिनट 18.12 सेकेंड का समय निकालकर अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा और भारतीय एथलेटिक्स संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने कहा कि यह प्रदर्शन दर्शाता है कि भारत में पर्याप्त प्रतिभा है।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से पुनर्गठित टीम नहीं है। रूपल और सुभा पिछली टीम में थे। संतोष रिजर्व में थे। इसलिए यह नए और पुराने का मिश्रण है। हमें भविष्य की ओर देखने की जरूरत है, हमें अतीत को भूलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष सुमारिवाला ने कहा, इस टीम ने दिखाया है कि हमारे पास अछा रिजर्व पूल है, हम मौका मिलने पर अछा प्रदर्शन कर सकते हैं।

भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा। रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 18.12 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। रूपल ने बुधवार को ही व्यक्तिगत महिला 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक भी जीता। सुभा 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली मिश्रित टीम का भी हिस्सा थी। चीन की टीम तीन मिनट 20.52 सेकेंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रही, जबकि श्रीलंका ने तीन मिनट 21.95 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता।

प्रवीण चित्रावेल ने पुरुष त्रिकूद में 16.90 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीता। इससे पहले रूपल चौधरी (400 मीटर) और पूजा (1500 मीटर) ने रजत पदक जीते जबकि यूनुस शाह ने पुरुष 1500 मीटर में कांस्य पदक अपने नाम किया।

मिश्रित रिले टीम का स्वर्ण प्रतियोगिता में भारत का दूसरा सोने का तमगा है। इससे पहले मंगलवार को गुलवीर सिंह (10,000 मीटर) ने भी स्वर्ण पदक जीता था।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में मजबूती सेंसेक्स और निफ्टी को बढ़त

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में मजबूती नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में शेयर बाजार की चाल में गिरावट आ गई। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने हुए नजर आ रहे थे?। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, इंफोसिस और एटरनल के शेयर 1.58 प्रतिशत से लेकर 0.89 प्रतिशत की

मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, जियो फाइनेंशियल, बजाज फाइनेंस, अपोलो हॉस्पिटल और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 1.15 प्रतिशत से लेकर 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,438 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,374 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,064 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 278.71 अंक की मजबूती के साथ 81,591.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक पहले 5 मिनट में ही उछल कर 81,816.89 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 81,436.89 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद लिवालों ने एक बार फिर खरीदारी का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 176.07 अंक की मजबूती के साथ 81,488.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

बीएटी ने आईटीसी में बेची अपनी 2.3% हिस्सेदारी, 11613 करोड़ रुपये में हुआ सौदा, शेयर 5% तक टूटे

नई दिल्ली। ब्रिटिश बहुराष्ट्रीय कंपनी बीएटी पीएलसी ने भारतीय तंबाकू कंपनी आईटीसी में अपनी 2.3न्न हिस्सेदारी बेच दी है। ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) कंपनी ने ब्लॉक डील के जरिए 2.3% की हिस्सेदारी लगभग 1.36 अरब डॉलर में बेची है। जिससे उसे 11,613 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएटी ने अपनी शाखा टोबैको मैन्युफैक्चर्स (इंडिया) लिमिटेड के जरिए यह सौदा किया। इस समझौते के बाद आईटीसी के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। ब्रिटिश बहुराष्ट्रीय कंपनी बीएटी पीएलसी द्वारा 11,613 करोड़ रुपये (1.36 अरब अमेरिकी डॉलर) के ब्लॉक डील के जरिये आईटीसी में अपनी हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत घटाने के बाद आईटीसी के शेयरों में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 4.33 प्रतिशत गिरकर 415.10 रुपए पर आ गया। एनएसई में यह 4.81 प्रतिशत गिरकर 413 रुपए पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स कंपनियों में यह शेयर सबसे अधिक पिछड़ गया। इस लेनदेन से पहले बीएटी अपने सहयोगियों, रोथमैन इंटरनेशनल एंटरप्राइजेज, माइडलटन इन्वेस्टमेंट कंपनी और टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड के जरिए आईटीसी लिमिटेड में संयुक्त रूप से 25.44 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता था। ब्लॉक डील के अनुसार,आईटीसी के 29 करोड़ इक्विटी शेयर 400 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर बेचे गए। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को घरेलू बाजार पर आईटीसी के शेयरों की क्लोजिंग प्राइस 433.90 रुपये प्रति शेयर की तुलना में यह 7.8 प्रतिशत कम है। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में नियामक फाइलिंग में, बीएटी ने बताया था कि वह पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड, आईटीसी लिमिटेड में जारी साधारण शेयर पूंजी का 2.3 प्रतिशत बेचने की इछा रखती है। माना जा रहा है कि यह डील बीएटी को वित्तीय लचीलापन प्रदान करेगा। बिक्री से मिले पैसों का कंपनी बदलाव, ऋण शोधन और स्थायी शेयरधारक रिटर्न में निवेश जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में करेगा। आईटीसी में बीएटी का शुरुआती निवेश 1900 के दशक की शुरुआत में हुआ था। भारत के अग्रणी एफएमसीजी उद्यमों में से एक के रूप में, आईटीसी अपने शेयरधारकों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

मजदूर परिवारों ने राज्य मंत्री से ठिकाना दिलाने के लिए लगाई गुहार

अस्थाई निवासरत बासिंदो को हटाने के लिए तहसील से नोटिस जारी हुए

राकेश दुबे बरेली। बरसों से सड़क के आसपास धोखेड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत निवास करने वाले कई परिवार जिन्हें ठिकाना बनाने के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा क्योंकि तहसील से उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं कि यहां से अपने अस्थाई ठिकाने स्वेच्छा से हटा लिए जाएं अन्यथा उन पर कार्रवाई की जाएगी इन परिवारों के सामने अब रोटी रोजी का संकट उत्पन्न हो रहा है क्योंकि इस वर्ष कॉल ऋतु में वह अपने परिवार और बच्चों को लेकर कहां जाएं। ग्राम पंचायत धोखेड़ा के अंतर्गत सड़क के आसपास कई वर्षों से अस्थाई टपरिया बनाकर निवास करने वाले दर्जनों परिवारों के ऊपर संकट के बदले छाए हुए हैं उन्हें हटाने के लिए नगर प्रशासन के द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं। आज तहसील में उन्हें बुलाने के लिए आदेश जारी हुए हैं कि वह कारण बताएं कि किस मकसद से यहां पर वह निवास कर रहे हैं।

इन परिवारों ने विधायक और राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल से गुहार लगाई है कि वह उनकी मदद करें ताकि इस वर्षा कॉल ऋतु में वहीं रहकर अपना और अपने परिवारों का भरण पोषण कर सकें। टपरिया बना कर निवास करने वाले सभी मजदूर हैं मजदूरी कर वह अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं अगर उन्हें वहां से हटाया जाता है तो उनके सामने रोटी रोटी का संकट खड़ा होगा ।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 485वीं जन्म जयंती राजपूत एवं सर्वसमाज द्वारा हर्षोल्लास से वाहन रैली निकाल कर मनाई गई

महेंद्र सिंह राठौड़ सिंगोली – प्रात स्मरणीय ,वीर शिरोमणि हिंदुआ सुरज ,त्याग बलिदान और स्वाभिमान के प्रतिक मातृभूमि प्रेमी राष्ट्र भक्त महाराणा प्रताप सिंह जी की जन्मजयंती पर सिंगोली में धुम रही सुबह से ही राजपूत समाज सहित सर्वसमाज जनो द्वारा हर्ष उल्लास के साथ परिचित मित्रो रिश्तेदारों को एक दुसरो के मोबाइल वाट्सप फेसबुक माध्यम एवं प्रत्यक्ष मिलकर के बधाई शुभकामनाएं संदेश भेजे गए,वही सुबह 10 बजे बजरंग व्यायाम शाला बालाजी मंदिर परिसर सिंगोली में समस्त क्षत्रिय राजपुत एवं सर्व समाजजनो द्वारा भगवा ध्वज बाईक पर लगा महाराणा प्रताप जी के जयकारो के साथ वाहन रैली नगर के प्रमुख मार्गो से निकाल कर पुराना बस स्टैंड स्थित नवनिर्मित कार्यरत महाराणा प्रताप जी प्रतिमा स्थल पहुंचे जहाँ सभी समाज जनो ने महाराणा प्रताप सिंह जी की तस्वीर पर पुजा अर्चना कर

क्रमानुसार पुष्प अर्पित कर आरती की तत्पश्चात सभी जन पुनः बजरंग व्यायाम शाला बालाजी मंदिर पहुचे जहाँ रैली सामाजिक बैठक के रूप में परिवर्तित हो गई बैठक में आगामी महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा स्थापित करने की कार्ययोजना को आगे बढ़ाने सहित सामाजिक स्तर की चर्चा हुई जिसमें सभी ठिकानो से पधारे हुकुम ने अपने अपने विचार सुझाव रख युवा वर्ग को कार्य की निरंतरता बनाये रख हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन देकर मार्गदर्शन प्रदान किया जिसने युवा पीढ़ी में जोश भर दिया।

इस अवसर पर ठिकाना नगपुरा से ठाकुर साहब भंवर सिंह जी शक्तावत द्वारा अब तक एकत्रित की गई सहयोग राशी में सर्वाधिक सहयोग 51000 /– राशी प्रदान करने पर समाज सेवक गोपाल सिंह जी चौहान ठिकाना मेघपुरा चौहान द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर अरनिया,बरड़ावदा,धारड़ी, स्वरूप जी की खेड़ी, जयसिंहपुरा,देवरिया,रायता,बड़ी, खवई,फुसरिया, टोकरा,हरिपुरा उम्मेदपुरा,अथवा,जसवन्तपुरा, जोधाकुण्डल,ताल,मेघपुरा गौड़,पीपरवा,किशनपुरा,मेघपुरा चौहान,खेड़ा, डाबड़ा ,जेतलिया, अनेड़,कदवासा,हाथीपुरा,चल्दु,अम्बा,बस्सी,झांतला,छावनिया,घाटी,जराड़,बोहड़ा,पटियाल,नगपुरा,प्रतापपुरा गोरकिया,बोरदा, पीपलदा,शंभुनाथ जी खेड़ा, सिंगोली आदि ठिकानो के समस्त क्षत्रिय राजपुत समाज जन सहित सर्वसमाज उपस्थित थे!

नगर परिषद का साधारण सम्मेलन हुआ संपन्न, 15 बिंदुओं पर लिया गया निर्णय

मुंदी शाहरुख मंसुरी मुंदी नगर परिषद का साधारण सम्मेलन बुधवार को नगर परिषद अध्यक्ष ज्योति बाला राठौर की अध्यक्षता एवं उपाध्यक्ष पार्षदों व सीएमओ संजय जैन की उपस्थिति में नगर परिषद सभा कक्ष में संपन्न हुआ। बैठक में 15 बिंदुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

इन बिंदुओं पर लिया गया निर्णय

प्राप्त नामांतरण प्रकरणों की स्वीकृति

म,प्र, तीर्थस्थान एवं मेलेप्राधिकरण द्वारा संत बुखार दास बाबा एवं संत गुलाबदास बाबा मेले वर्ष 2024 की अनुदान राशि प्राप्त ना होने पर लंबित देयकों का भुगतान किये जाने की स्वीकृति।

म,प्र, तीर्थस्थल एवं मेला प्राधिकरण द्वारा संत बुखार बाबा एवं संत गुलाब दास बाबा मेला वर्ष 2025 की अनुदान राशि मांग से कम प्राप्त होने पर लंबित देयकों का भुगतान किए जाने की स्वीकृति।

वार्ड 4 में स्थित स्लॉटर हाउस की दुकान क्रमांक 5 हेतु आमीन कुरैशी द्वारा नीलामी राशि जमा नहीं करने पर की स्वीकृति।

वित्त, वर्ष 2025–26 हेतु जलप्रदाय शाखा अंतर्गत समय–समय पर लगने वाली आवश्यक सामग्री क्रय किए जाने के लिए जारी वार्षिक पून~ निविदा में प्राप्त दरों की स्वीकृति। वित्त वर्ष 2025–26 हेतु विधुत शाखा अंतर्गत समय–समय पर लगने वाली आवश्यक सामग्री क्रय किए जाने के लिए वार्षिक निविदा में न्यूनतम दर प्रस्तुतकर्ता फर्म महालक्ष्मी एजेंसी भोपाल द्वारा सामग्री उपलब्ध नहीं कराए जाने संबंधित पत्र प्रस्तुत करने की उपस्थिति में रु2 प्रस्तुतकर्ता फ्रम की प्राप्त दरों की स्वीकृति। एक नग नवीन ट्रैक्टर वाहन खरीदने की स्वीकृति। वित्त वर्ष 2025–26 हेतु फ्लेक्स होर्डिंग बैनर आदि कार्य हेतु जारी निविदा में प्राप्त दरों की स्वीकृति। कार्यालय भवन में अतिरिक्त कक्षा का निर्माण कार्य कराए जाने हेतु जारी निविदा में प्राप्त दरों की स्वीकृति, अशोक शर्मा की दुकान की बाजू से दो नवीन दुकानों का निर्माण कार्य कराया जाएगा। शासकीय अस्पताल परिसर के पास निर्मित हॉकर्स जॉन में तीन से निर्माण कार्य करने पर स्वीकृति वार्ड क्रमांक 12 में राजीव कांगो के खेत के सामने सीसिनाली निर्माण कराए जाने पर स्वीकृति। विनियमित कर्मचारी ग्यारसी लाल पिता मांगीलाल देवलिया द्वारा प्रस्तुत आवेदन में अध्रद वार्षिकी आयु पूर्ण होने पर प्रदा किए जाने वाले लाभ की स्वीकृति। इन विषयों की स्वीकृति के अलावा पीआईसी बैठक में पारित निर्णय की पुष्टि की गई।

महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु उर्जा महिला डेस्क की समीक्षा बैठक आयोजित

संजय राठौड़ जिला ब्यूरो अलीराजपुर पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा दिनांक 29 मई 2025 को पुलिस नियंत्रण कक्ष अलीराजपुर में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य सुनिश्चित करने हेतु ऊर्जा महिला डेस्क में कार्यरत महिला अधिकारी/कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ऊर्जा महिला डेस्क की महिला अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा बी.एल. अटौदे एवं महिला थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमती मनोरमा सिसोदिया भी उपस्थित रहीं। बैठक के प्रारंभ में महिला थाना प्रभारी श्रीमती सिसोदिया द्वारा थानों में कार्यरत ऊर्जा महिला डेस्क की महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों का परिचय पुलिस अधीक्षक से करवाया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री व्यास द्वारा ऊर्जा महिला डेस्क पर कार्यरत कर्मचारियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि—

ज़ ऊर्जा महिला डेस्क को और अधिक सशक्त बनाने हेतु ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की महिलाओं के बीच जाकर प्रचार-प्रसार किया जाए।

ज़ अधिक से अधिक पीड़ित महिलाओं को न्याय और सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला कर्मचारियों को भी इस पहल से जोड़ा जाए।

उर्जा महिला डेस?क के उद्देश्य 1. महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनाङ्क समाज में महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक समर्पित व्यवस्था उपलब्ध कराना।

2. महिलाओं को सशक्त बनाना – महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर और सजग नागरिक बनाना।

3. त्वरित सहायता प्रदान करना– पीड़िता को बिना देर किए सहायता, सलाह और कानूनी मार्गदर्शन देना।

4. महिला संबंधित अपराधों की निगरानी और नियंत्रण– विशेष रूप से घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध जैसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना।

5. पीड़ित महिला का विश्वास हासिल करना– एक संवेदनशील और भरोसेमंद वातावरण प्रदान करना ताकि महिलाएं बिना डर के अपनी शिकायत दर्ज कर सकें।

उर्जा महिला डेस?क की कार्यप्रणाली (Working Mechanism)~प्रत्येक जिले/थाने में ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है, जहां महिला पुलिस कर्मी तैनात रहती हैं। हेल्प डेस्क पर कार्यरत पुलिसकर्मियों को महिला अपराधों, साइकोलॉजिकल सपोर्ट और कानूनी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। पीड़िता की पहचान और समस्या को गोपनीय रखा जाता है। उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाता है। हेल्प डेस्क पर महिला को मनोवैज्ञानिक और कानूनी परामर्श प्रदान किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर ह्लत्रह्र या महिला आयोग से भी संपर्क कराया जाता है। शिकायतों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाती है और पीड़िता से फीडबैक लेकर संतुष्टि सुनिश्चित की जाती है। ऑनलाइन उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग, सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों में भी ऊर्जा डेस्क विशेष सहायता प्रदान करती है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर श्री व?यास ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस मे ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क का गठन महिलाओं की सुरक्षा, सहायता एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से किया गया है। यह एक विशिष्ट पहल है जो महिलाओं से जुड़े अपराधों की त्वरित सुनवाई, परामर्श, सहायता एवं न्याय सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

विधायक ने किया भूमिपूजन

अमृत 02 योजना अंतर्गत होगा चंद्रकेशर नदी घाट का सौंदर्यीकरण

कांटाफोड़ जितु सिंगी – बुधवार को क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा ने अमृत 02 योजना अंतर्गत चंद्रकेशर नदी घाट का सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा ने शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष महेश दुबे नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश अमोदिया सत्यनारायण तिवारी बंधु सुशील पसारी श्रीनिवास तिवारी संतोष चौबे हरीश पाराशर कैलाश बियाणी राजेश मालवीया मुख्य नगर परिषद अधिकारी मुकेश चौबे सहित पार्षद तथा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। सीएमओ मुकेश चौबे ने बताया की 23 लाख 21 हजार रुपये की लागत से चंद्रकेशर नदी घाट का सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा

प्रकाशक, मुद्रक धवन माहेश्वरी, मालिक गजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा उदयरत्न ऑफसेट, I0/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड़, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से मुद्रित, 190, विधापति नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित
संपादक :शानू माहेश्वरी, (9754776006, 7974826006, 8643056464,9575154444) समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र उज्जैन ही रहेगा । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। कानूनी सलाहकार तनुज दीक्षित (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट) ।